हरित छत्तीसगढ़ : एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं और धरती को खुशहाल और स्वच्छ बनाएं...

# दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-15, अंक-17 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 02 से 08 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4 मूल्य रू. 3.00


**सुविचार**

संघर्ष में आदमी अकेले होता है,
लेकिन सफलता मिलने पर
दुनिया उसके साथ हो लेती है,
यही आज का दस्तूर है।

## साल-दर-साल बदल रही कोरबा की भौगोलिक स्थिति

**कोरबा ( दिव्य आकाश )।** एसईसीएल सहित अन्य कंपनियों की कोयला खदानों के कारण कोरबा जिले की भौगोलिक स्थिति साल-दर-साल बदल रही है। यह तस्वीर सर्वमंगला पुल से खिंची गई है। कोरबा सर्वमंगला मंदिर के सामने नहर उस पार 15 साल पहले पाली - पड़निया के पास एसईसीएल कुसमुण्डा की ओपन माइन्स से निकाली गई मिट्टी का डम्पिंग एरिया था। प्रशासन की पहल पर एसईसीएल में इस पहाड़नुमा डम्पिंग यार्ड में पौधे लगाए, जो पेड़ बन गए हैं और यह पहाड़ मिट्टी का टीला नहीं बल्कि अब सुंदर वन पहाड़ी बन गया है। 15 साल पहले यहां इस पहाड़ी से उड़ने वाली धूल से आने-जाने वाले परेशान रहते थे, लेकिन अब यह पहाड़ी सुकून दे रही है। 50 साल पहले यह स्थान मैदान था, लेकिन एसईसीएल कुसमुण्डा विस्तार के कारण यह डम्पिंग एरिया में तब्दील हो गया। इसी तरह जहां-जहां खदानें हैं, वहां की भी भौगोलिक स्थिति बदल रही है।

## बालको ने बच्चों के लिए हृदय रोग संबंधित जांच शिविर का किया आयोजन, 216 बच्चों का किया गया हृदय रोगों की जांच

**बालकोनगर ( दिव्य आकाश )।**

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर के सहयोग से सोनपुरी के आंगनवाड़ी केंद्र में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर-जन्मजात हृदय रोग के लिए आयोजित किया गया। समुदाय में बच्चों के हृदय रोग संबंधित स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिविर में 0-14 वर्ष के बच्चों की निःशुल्क जांच और दवाईंया दी गई। शिविर में लगभग 216 बच्चों का प्राथमिक एवं हृदय संबंधित जांच किया गया।

डॉ. योगेश साठे (बाल हृदय रोग विशेषज्ञ), श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर और डॉ. जया कुमार (बाल रोग विशेषज्ञ), बालको अस्पताल के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सहायक स्वास्थ्य कर्मचारियों और नर्सों की एक समर्पित टीम ने आंगवाड़ी केंद्र पर बच्चों की प्राथमिक जांच की। प्राथमिक जांच (सर्दी खांसी वजन, सांस, धमनी गति) ईसीजी एवं हाई डेफिनिशन स्टेथोस्कोप की मदद से स्क्रिनिंग के दौरान लगभग 16 बच्चों में संभावित हृदय रोग के लक्षण की पहचान की जा सकी। सभी बच्चों को बालको अस्पताल में लाकर उनका 2डी इको जांच की गई। कंपनी के सहयोग से सत्य साईं बच्चों को संभावित बच्चों का समय-समय पर निरंतर जांच करेगा। जरूरत पड़ने पर बच्चों का निःशुल्क ईलाज भी किया जाएगा। पहल का उदेश्य प्रांरभिक दौर में ही जन्मजात हृदय रोग का पता लगाना जिससे पीड़ित शिशुओं को समय पर इलाज मिल पाए।

डॉ. योगेश साठे ने कहा कि बालको के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हो सका जो हमार संस्थान के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा उदेश्य सभी जरूरतमंद को निशुल्क इलाज प्रदान करना है। डॉ. योगेश ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग का पता लगने से हम समय रहते बच्चे का ईलाज सुनिश्चित कर पाते हैं। जागरूकता और संसाधनों को बढ़ावा देने से शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में विशेष हृदय देखभाल और जाँच कार्यक्रम के बेहतर स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचे की को मजबूत किया जा सकता है। बालको की मदद से समुदाय में जन्मजात हृदय रोग संबंधित जागरूकता अभियान को बढ़ावा मिला है।

सोनपुरी की सरपंच श्रीमती मीना बाई कंवर ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि बालको और श्री सत्य साई अस्पताल के इस पहल ने हृदय रोग संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं को हमारे दरवाजे तक पहुंचा दिया। शिविर से हमारे गांव के बच्चों को लाभ मिला। माता-पिता ने बच्चों को लेकर इसमें पूरा सहयोग किया। शिविर से जन्मजात हृदय रोग संबंधित जांच की व्यवस्था बहुत ही सराहनीय है। बालको और श्री सत्य साई अस्पताल के प्रति आभार व्यक्त करते हैं उन्होंने कहा कि आशा करते हैं कि भविष्य में इस तरह की पहल जारी रहेगी।

बालको की आरोग्य परियोजना स्वास्थ्य देखभाल और समुदाय की सेवा करने पर केंद्रित है। कंपनी समुदायों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न सामाजिक कल्याणकारी परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। कंपनी हर 15 दिनों में दो मोबाइल स्वास्थ्य वैन भी संचालित करती है। ग्रामीण स्वास्थ्य पोस्ट, एचआईवी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और कुपोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अभियानों के माध्यम से समुदायों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करती है। आरोग्य परियोजना के उपचारात्मक सेवाओं के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024 में लगभग 49000 व्यक्तियों को स्वास्थ्य लाभ मिला है।

### संयंत्र के आसपास गांवों में स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच आसान करना हमारा ध्येय-सीईओ राजेश

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने स्वास्थ्य अभियान के प्रभाव पर कहा कि कंपनी अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से जन्मजात बच्चों में दिल संबंधित रोगों को जल्द पहचान कर उनका निदान किया जा सकता है। बच्चे देश का भविष्य हैं उनके स्वास्थ्य देखभाल को सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है और इसके साथ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और समुदाय के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

## आरती विकास अग्रवाल शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की बनीं अध्यक्ष

**कोरबा ( दिव्य आकाश )।**

नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक -2 साकेत नगर की पार्षद, भाजपा नेत्री एवं समाज सेविका श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनायी गई हैं। कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरूण साव एवं कोरबा विधायक तथा प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रममंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर कलेक्टर ने नगर पालिक निगम कोरबा वार्ड क्रमांक -2 साकेत नगर की भाजपा पार्षद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार श्रीमती अग्रवाल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने के दिनांक से दो साल के लिए प्रभावी होगा। श्रीमती अग्रवाल को यह जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्र के भाजपाईयों एवं शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है।

**कॉलेज में हर सुविधा के लिए होगा प्रयास-आरती विकास अग्रवाल**

शासकीय कन्या मिनीमाता महाविद्यालय कोरबा की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष बनाए जाने के बाद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शासकीय कन्या मिनीमाता विद्यालय की अहम भूमिका है। यहां की कमियों को दूर कर हर संसाधन मुहैय्या कराने का प्रयास किया जाएगा। यहां हर विषय (फैकल्टी)के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

## विधायक तुलेश्वर ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा,कहा- प्रभावितों को अधिकाधिक क्षतिपूर्ति दिलाने करेंगे प्रयास

**पाली ( दिव्य आकाश )।**

पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने पाली ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। प्रभावितों से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए कहा कि उन्हें शासन के नियमानुसार अधिक से अधिक मुआवजा- क्षतिपूर्ति दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

श्री मरकाम ने कहा कि यह विभीषिका क्षेत्र के लिए काफी बड़ी है। इस आपदा से क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। क्षेत्र के किसानों, व्यापारी बंधुओं सहित आमजनों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रकृति के आगे हम सब बेबस हैं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रशासन तथा राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री से भेंट कर वस्तुस्थिति से अवगत कराकर इस क्षेत्र के प्रभावितों को अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने के लिए प्रयास और पहला करूंगा। पाली ब्लॉक में 24 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ ने कहर बरपा दिया था। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित मुनगाडीह गांव हुआ है, जहाँ कईयों का रोजगार छिन गया और कई बेघर हो गए। खेत गाद और मिट्टी से पट गए हैं। धान, सब्जी आदि फ़सल बर्बाद हो गयी । मकान-दुकान बह गया। मुनगाडीह में बाढ़ ने पहली बार इतनी तबाही मचाया ।

मुनगाडीह पहुँचने पर ग्रामीणों ने विधायक को बताया उनको हुए नुकसान के लिए डीबीएल और एनएचएआई जिम्मेदार है, क्योंकि यहां फोरलेन सडक़ निर्माण के दौरान मनमानी, लापरवाही और खामियां बरती गई हैं, जिसका खामियाजा आज पूरा मुनगाडीह गांव भुगत रहा है। आने-जाने का कोई रास्ता नहीं है। मुख्य सडक़ मार्ग से जुड़ा होने के बावजूद लोगों को मुख्य मार्ग पर आने के लिए बच्चों को स्कूल आने जाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस समस्या की ओर पूर्व में भी प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराया गया था लेकिन आज तक कोई राहत नहीं मिली है। प्रभावितों ने विधायक से उचित मुआवजा और कार्रवाई की मांग की है। विधायक श्री मरकाम ने गाजर नाला और गुंजन नाला के तटवर्ती बाढ़ प्रभावित कई ग्रामों का दौरा कर आपदा प्रभावितों से मिले और वस्तु स्थिति से अवगत हुए। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कुलदीप मरकाम, जगत नेताम, राजेश जाटव, कमल दास, अनिल मरावी, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, राजस्व अमला सहित ग्रामीण जऩ उपस्थित थे।

## प्रयास एवं युवा आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज ने किया कटसीरा में पौधरोपण

**कोरबा (दिव्य आकाश)।** छत्तीसगढ़ प्रयास समाज कल्याण संस्थान एवं युवा आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम कटसीरा में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन कर धरती को हरितिमा बनाने के संकल्प में छोटा सा योगदान दिया। कार्यक्रम में आदिवासी शाला आश्रम, ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक उपस्वास्थ्य केन्द्र में बाटल पाम, एरिकापाम, मोरपंखी, एक्सोरा, गुड़हल, नीम, जामुन, कटहल, अमरूद, आंवला सहित अन्य फलदार, फूलदार एवं औषधी पौधों का रोपण किया और जन-जन से पौधरोपण के लिए आह्वान किया गया। कार्यक्रम में सरपंच, पंच, आदर्श राजवाड़े कुर्मी समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष नर्मदा शंकर राजवाड़े, दीपका शहर अध्यक्ष संतोष राजवाड़े, कोरबा शहर अध्यक्ष, कृपासिंधु राजवाड़े सहित जगदीश राजवाड़े, बलिराम राजवाड़े, प्रयास अध्यक्ष, प्रीतमलाल राजवाड़े, गेंदराम राजवाड़े, राजाराम, श्रीराम, शुभम, कृष्णा, शिक्षक शैलेन्द्र राजवाड़े, संतोष कृष्ण कुमार, श्रीकांत, दिनेश, योगेश, देवव्रत, सुभाष आदि उपस्थित थे।

## श्रीमती प्रमिला नारायण चंदेल तथा श्रीमती संगीता-सुरेश पाण्डेय की अगुवाई में महिलाओं ने किया गया पौधारोपण

**जांजगीर ( दिव्य आकाश )।**

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही चारों तरफ हरियाली छा जाती हैं । पेड़-पौधें फूलों की मधुमय मुस्कान से खिल उठते हैं। फलों की भांति रंगबिरंगे फूल भी समृद्धि और आनंद का प्रतीक माना जाता हैं। प्राकृतिक सुंदरता, हरितिमा,कोमलता एवं सुगंध के कारण मनुष्य पौधारोपण की ओर आकर्षित होते आया है। थाना चौक अंडर ब्रिज के पास श्रीमती प्रमिला चंदेल तथा संगीता पाण्डेय की अगुवाई में फलदार पौधे लगाए गए। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण का कार्यक्रम पूर्व विधायक नारायण चंदेल की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला-नारायण चंदेल की अगवाई में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर जागृति, ओम राम प्रधान, अजय अग्रवाल, गोपाल मित्तल, सोनी, प्रमोद कुर्रे, सुशील कुमार, बेटी-बचाओ तथा बेटी पढ़ाओं की नगर सह-संयोजिका श्रीमती संगीता-सुरेश पाण्डेय, स्तुति महिला मंडल जूनियर क्लब सीएस पीजीसीएल कॉलोनी की अध्यक्ष श्रीमती पी रितु रेड्डी, सचिव श्रीमती सीमा देवांगन, सह-सचिव श्रीमती हीना पाठक, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रंजन साय, खेल सचिव श्रीमती अनुराधा खैरवार, श्रीमती शशिप्रभा सोनी ने कटहल, पीपल, आम, लीची अनार, औषधि पौधें मीठा नीम, जामुन, मुन्ना, अमरुद, बेल इत्यादि के वृक्षों का रोपण किया।

**सुविचार**

**सादगी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं, विनम्रता से बढ़कर कोई व्यवहार नहीं।**

**चिंतन**

# जल प्रलय

आषाढ़ में इस बार मानसून ने धोखा दे दिया, लेकिन सावन आते ही पूरे देश में जलप्रलय का तांडव देखने को मिल रहा है। वायनाड में लैंडस्लाइड, बिहार, उत्तराखंड,उत्तरप्रदेश, मुंबई सहित कई राज्यों में बारिश ने जलप्रलय सा माहौल बना दिया है। अब तक 600 से अधिक लोग अपनी जान गंवा बैठे हैं। प्रकृति से हमने खिलवाड़ किया,जिसके कारण तबाही का मंजर जगह-जगह दिख रहा है। कई राज्यों में बारिश ने जलप्रलय ला दिया है। वायनॉड में मंजर देखकर रूह कांप जाती है। बंगाल, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, केरल, असम, बिहार, गुजरात, उत्तरप्रदेश, हरियाणा में भी बारिश ने कहर बरपाया। राष्ट्रीय आपदा के कारण देश की अर्थव्यवस्था भी बिगड़ती है। यह आपदा हमारी अपनी गलती के कारण आ रहा है। प्रकृति से अधिक छेड़छाड़ से मानव जाति संकट में आ रही है।

**संपादक**

## आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

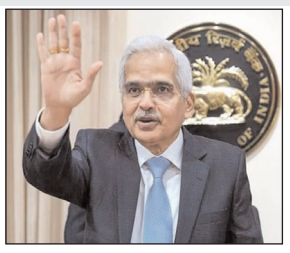

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने के निर्णय के पक्ष में मत दिया। इसके साथ ही एमपीसी ने उदार रुख को वापस लेने का रुख बरकरार रखा है।

रेपो वह ब्याज दर है, जिसपर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इसका उपयोग करता है। रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में बदलाव की संभावना कम है। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है।

**जून में रिटेल महंगाई**

जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई थी। यह महंगाई का 4 महीने का हाई लेवल था। अप्रैल में महंगाई 4.85 फीसदी रही थी। वहीं मई में महंगाई 4.75 फीसदी रही थी। NSO ने 12 जुलाई को ये आंकड़े जारी किए थे। RBI की महंगाई को लेकर रेंज 2 फीसदी से 6 फीसदी है।

**फरवरी 2023 से नहीं हुआ रेपो रेट में बदलाव**

फरवरी, 2023 से रेपो दर 6.5 प्रतिशत के उच्चस्तर पर बना हुआ है। 2024-25 की दूसरी बैठक चुनावी नतीजे आने के बाद जून में हुई थी, उस समय भी रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया। इस बार ये बैठक बजट के बाद हो रही है। ऐसे में लोगों को उम्मीद थी कि शायद आरबीआई इस बार ब्याज दरों को घटा सकता है। बता दें कि रेपो रेट वही है, जिसके आधार पर आपका बैंक लोन की ब्याज दर तय करता है। ऐसे में अगर इस बार भी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ, तो लोन की ईएमआई भी कम नहीं होगी।

सावन में महिलाओं द्वारा सावन उत्सव का आयोजन लगातार हो रहा है और हरी साड़ियों का जलवा दिख रहा है।

# विकसित भारत की तर्ज पर 2047 तक बनेगा विकसित छत्तीसगढ़

**ओपी चौधरी**
**वित्तमंत्री- छग शासन**

**छत्तीसगढ़ का विजन 2047 डाक्युमेंट 01 नवंबर को होगा समर्पित**

गुजरात के रेगिस्तान कच्छ में डेढ़ लाख करोड़ रूपए की लागत से 34 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन करने, गरीब युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास को केंद्रित करते हुए वर्ष 2047 तक आजादी के अमृतकाल में विकासशील भारत से विकसित भारत बनाने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दृढ़ संकल्पित हैं और वह लक्ष्य प्राप्ति के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। विकसित भारत की तर्ज पर हम सबको 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है, इसका विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मंत्री ओ. पी. चौधरी ने केंद्रीय बजट 2024-25 पर संवाद करते हुए कहा कि आज दुनिया में भारत 28-29 वर्ष की औसत आयु से सबसे युवा देश है। इस युवाशक्ति को ध्यान में रखकर विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इण्डिया की थीम को प्रोत्साहित किया है। इसके तहत भारत में देशी उत्पादकों पर टैक्स कम किया है, ताकि लोकल से ग्लोबल तक का सफर आसानी से तय किया जा सके। इसके साथ ही देश में कारखानों, औद्योगिक निर्माण इकाई स्थापित करने वाले युवा जो कि ईपीएफओ में पंजीकृत हैं उन्हें 15 हजार रूपए मासिक देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के लिए और औद्योगिकीकरण को ध्यान में रखते हुए देश के 500 उद्योगों का चिन्हांकन किया है जहां पर आगामी 05 वर्ष में 01 करोड़ युवाओं को 05 हजार रूपए मासिक इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए देश के 01 हजार आईटीआई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को प्रोन्नत किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं, शिशुवती माताओं के लिए अनुकुल वातावरण के छात्रावास बनाए जाएंगे। गरीब एवं कमजोर वर्ग के ग्रामीणों के लिए पिछले 10 वर्षों में 04 करोड़ आवास बनाए गए हैं और आगामी 05 वर्षों में 03 करोड़ ग्रामीणों के लिए घर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय बजट में प्रधानमंत्री शहरी आवास 2.0 के तहत शहरी क्षेत्रों में 10 लाख करोड़ का निवेश करके 01 करोड़ शहरी आवास बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान के तहत 63 हजार ग्रामों के 05 करोड़ आदिवासियों को उन्नत किया जाएगा। ई-कॉमर्स निर्यात सेंटर से लोकल कलाकारों के उत्पाद, कलाकृतियों को अच्छे दाम मिल सकेंगे। देश में 500 नए औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे जिसमें युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश रेल मार्ग, वायु मार्ग से संपर्क है तथा देश के केंद्र में है और औद्योगिक अनुकुल वातावरण यहां उपलब्ध है। इस दृष्टि से प्रदेश में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को भविष्य में और भी बल मिलेगा, जिसका लाभ प्रदेशवासियों को मिलेगा। वर्तमान समय में प्रासंगिक इलेक्ट्रिक व्हीकल में लीथियम की उपयोगिता महत्वपूर्ण है, जिसका बड़ा भण्डार कटघोरा में मिला है। देश एवं प्रदेश में आधारभूत अधोसंरचना के निर्माण, विभिन्न क्षेत्रों में कृषि, आवागमन की सुविधाओं का विस्तार तेज गति से किया जा रहा है, जिसके आधार पर हम सब विकसित भारत की तर्ज पर 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाएंगे।

राज्य की स्थापना दिवस 01 नवंबर 2024 को विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्यूमेंट जनता को समर्पित किया जाएगा।

## देश में पहली बार डीजल के मुकाबले ज्यादा हुई सीएनजी कारों की बिक्री

देश में पहली बार सीएनजी कारों ने बिक्री के मामले में डीजल कारों को पछाड़ दिया है। यह रिकॉर्ड बीती अप्रैल-जून तिमाही में बना है। मारुति सुजुकी के अनुसार, कंपनी ने घरेलू बाजार में हर तीसरी कार सीएनजी में बेची। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में उसने 10.3 लाख वाहन बेचे, जिनमें से 1,88,868 यानी 18.41प्रतिशत वाहन सीएनजी थे। पिछले साल जून में सीएनजी का मार्केट शेयर 13.63प्रतिशत और डीजल कारों का 18.34 प्रतिशत था। ऑटोमोबाइल रिसर्च फर्म जैटो डायनेमिक के डेटा के अनुसार, मारुति सुजुकी के आंकड़े भी इसी तरह के हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्राहकों में सीएनजी वाहनों के प्रति आकर्षण बढ़ने के कारणों में सीएनजी के नए मॉडल, सीएनजी स्टेशनों की बढ़ती संख्या और नई डिज़ाइन शामिल हैं। उदाहरण के लिए टाटा मोटर्स ने अपने सीएनजी मॉडल के साथ ट्विन सिलिंडर टेक्नोलॉजी पेश की है। मारुति सुजुकी के चीफ इन्वेस्टर रिलेशंस ऑफिसर राहुल भारती ने कहा कि इस तिमाही में सीएनजी की बिक्री में राजस्थान, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल और बिहार जैसे नए क्षेत्रों में काफी वृद्धि हुई है।

जैटो डायनेमिक के प्रेसिडेंट और डायरेक्टर रवि भाटिया ने कहा कि अब ग्राहकों को सीएनजी में बेहतर ऑप्शंस मिल रहे हैं। उदाहरण के लिए हुंडई मोटर ने अपने पॉपुलर हैचबैक ग्रैंड आई10 नियोस को डुअल सिलेंडर के साथ लॉन्च किया है। वर्तमान में लगभग 24 सीएनजी मॉडल उपलब्ध हैं, जो जून 2023 में 20 और जून 2022 में 13 थे। इसके प्राइमरी ग्राहक टैक्सी चालक और फ्लीट ऑपरेटर्स हैं।

सीएनजी वाहनों की बिक्री में वृद्धि के साथ सीएनजी स्टेशनों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। जून 2024 में 6,956 सीएनजी स्टेशन थे। वहीं जून 2021 में यह संख्या 3,180 थी। हालांकि, इस दौरान दिल्ली में सीएनजी की कीमत 70ब बढ़कर 75.09 रुपये प्रति किलो हो गई, जबकि जून 2021 में यह 44.30 रुपये प्रति किलो थी। फिर भी सीएनजी की कीमत पारंपरिक ईंधन के मुकाबले काफी कम है।

# महतारी वंदन का उपहार, हर महीने खुशियों का रिचार्ज

छत्तीसगढ़ में अन्य कामों के शुभारंभ के लिए भले ही श्री गणेश जी की आराधना की जाती है लेकिन अब महीने की पहली तारीख माँ की वंदना अर्थात महतारी वंदन के साथ हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महीने की पहली तारीख को क्लिक कर प्रदेश की 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की राशि जो अंतरित करते हैं।

यह राशि पहली तारीख को इसलिए दी जाती है क्योंकि यह दिन नये महीने की बजट की शुरुआत का होता है। यह अतिरिक्त राशि गृहिणी के खाते में जुड़ती है और स्वाभाविक रूप से इसे खर्च करने का पूरा विवेक उसका होता है।

पहली अगस्त को दी गई यह छठवीं किश्त थी। जुलाई सत्र में बच्चों की पढ़ाई शुरू हुई और अगस्त के महीने में भी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित खर्चे होते हैं। माताओं-बहनों ने अपने बजट के हिस्से में इसके लिए भी राशि लगाई होगी।

देश बचत से भी आगे बढ़ता है। भारत की अर्थव्यवस्था पर गौर करें तो लंबे समय से सकल घरेलू बचत का अनुपात अच्छा होने का सकारात्मक असर आर्थिक सेहत पर पड़ा। महिलाओं ने छोटे-छोटे खर्च बचाकर, छोटी-छोटी खुशियों की आहूति देकर जो बचत की, उससे परिवारों का बचत बढ़ा और यह देश की बचत राशि में जुटा।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जो राशि दे रहे हैं उससे निश्चित ही महिलाएं अपने बचत के स्वभाव के अनुरूप राशि बचाएंगी। यह चक्रवृद्धि ब्याज में बढ़ती जाएगी और आड़े वक्त में जब परिवार के लिए राशि की जरूरत होगी तो वे खर्च कर पाएंगी।

यह राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। बैंक खाते में यह राशि जा रही है और स्वभाविक रूप से बैंकिंग सिस्टम में राशि होने से बचत के काम आयेगी। इसके साथ ही डीबीटी होने की वजह से पारदर्शिता से महिलाओं के खाते में पहुंच रही है। यह विष्णु का सुशासन है जिसमें डिजिटल टेक्नालाजी सर्वोपरि है। पारदर्शिता है।

जरूरी नहीं कि यह निवेश वे सीधे बैंकिंग तंत्र, जीवन बीमा अथवा म्यूच्युअल फंड आदि माध्यमों से ही कर रही हों, वे अपना निवेश बच्चों की शिक्षा में लगा रही है। इतिहास गवाह रहा है कि जब भी शिक्षा में निवेश किया गया, उसके सबसे अच्छे परिणाम सामने आये हैं। हमारे यहां माता जीजा बाई का उदाहरण हैं जिन्होंने अपने यशस्वी पुत्र शिवाजी को एक महान उद्देश्य के लिए तैयार किया, शिक्षित किया। शिवा जी जैसे योग्य पुत्रों के पोषण के लिए बहुत जरूरी है कि हमारी माताओं-बहनों को हम आर्थिक शक्ति प्रदान करें।

महतारी वंदन का एक रूप धरती माता की सेवा भी है। जलवायु परिवर्तन का संकट दुनिया के सबसे बड़े संकटों में से एक है। हम सब सामान्य नागरिक इस संकट का मुकाबला करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए ही हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में इसे आंदोलन के रूप में आरंभ किया है। उन्होंने अपने स्कूल में रूद्राक्ष का पौधा अपनी माँ के नाम लगाया। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों से भी उन्होंने आग्रह किया कि वे एक पेड़ माँ के नाम लगाएं।

मुख्यमंत्री ने जो स्कूल में पौधा लगाया, उसके कई मायने हैं। स्कूल में जब हम पौधा लगाते हैं तो आने वाली पीढ़ी को भी पर्यावरण से जोड़ते हैं। जिस पीढ़ी को इन पेड़ों को सहेजना है उसे इस संबंध में जागरूक करते हैं।

केवल जलवायु परिवर्तन के संकट को रोकने के लिए नहीं, हमने इस धरती से जो लिया, अपने पुरखों से जो लिया, उसे धरती को लौटाने भी हमें है। धरती माता का ऋण हमारे ऊपर है। हमें धरती का श्रृंगार पेड़ों से करना होगा तभी हम इस ऋण से उऋण हो सकेंगे।

जब हमारी माताएं महतारी वंदन योजना के अंतर्गत निवेश करती हैं तो वे बचत का एक पौधा बोती हैं जो कालांतर में विशाल वृक्ष के रूप में तैयार होगा। जब हमारी माताएं बहनें इस अभियान के साथ एक पौधा लगाएंगी तो यह पौधा भी विशाल वृक्ष के रूप में तैयार होगा।

अपनी मेहनत जब विशाल और फलदायी रूप में सामने आयेगी तो कितना संतोष इन महिलाओं को होगा। महतारी वंदन योजना और एक पेड़ मां के नाम दो अलग-अलग बातें नहीं हैं वे एक ही हैं और इसमें हमारी आगे की पीढ़ी का उज्ज्वल भविष्य छिपा है।

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

# 50 की उम्र में भी कहर ढाती हैं काजोल

हर किसी के दिलों पर राज करने वाली काजोल आज हर किसी के लिए इंस्पिरेशन है। फिर बात चाहे उनके काम हो या कपड़ों की। फैशन की बात करें तो काजोल इंडियन अवतार से लेकर वैस्टर्न ड्रैस में हॉटनेस का तड़का लगा चुकी हैं। वह फैशन को लेकर अप-टू-डेट रहती हैं और अपनी नई-नई ड्रेसेज वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। यहां हम आपको उनकी कुछ कूल ड्रेसेज दिखाएंगे, जिनसे आइडिया लेकर आप भी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
सेवा के लिए हमेशा तत्पर
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

# बालको वेदांता एल्यूमिनियम ने भारतीय मानक ब्यूरो से प्राप्त किया सातवां प्रमाणन

**बालकोनगर ( दिव्य आकाश )।**

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड अब भारतीय मानक ब्यूरो से प्रमाणित है। इसने 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों के लिए पुन:प्रमाणन भी प्राप्त किया है। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने घोषणा की है कि बालको कोरबा, छत्तीसगढ़ में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित किया गया है। इस नई प्रमाणित 12एमएम एल्यूमिनियम वायर रॉड के कई विविध उपयोग हैं। मुख्य रूप से इलेक्ट्रिकल व पावर ट्रांस्मिशन में इसका इस्तेमाल किया जाता है। हल्का एवं टिकाऊ होने के साथ रॉड की विद्युत चालकता बेहतर होती है।

वेदांता एल्यूमिनियम भारत एल्यूमिनियम उद्योग की पहली कंपनी है जिसने अपने अनेक एल्यूमिनियम उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन हासिल किए हैं। यह नया प्रमाणन बेमिसाल उत्पाद क्वालिटी एवं एल्यूमिनियम उद्योग में निरंतर नवाचार हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। 12एमएम वायर रॉड के नए बीआईएस प्रमाणन के साथ ही ब्यूरो ने कंपनी की 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों का पुन:प्रमाणन भी किया है। ईसी इनगॉट, अलॉय इनगॉट, प्राइमरी इनगॉट, रोल्ड शीट, रोल्ड कंडक्टर प्लेट व रोल्ड प्लेट सामान्य इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए ये सभी कंपनी की बालको इकाई में बनाए जाते हैं। इन प्रमाणनों के साथ वेदांता की बालको यूनिट के पास अब 7 बीआईएस प्रमाणन हो गए हैं जो कुल 17 उत्पादों पर लागू है इससे कंपनी को एल्यूमिनियम बाजार में बहुत फायदा मिलेगा।

गुणवत्ता उत्कृष्टता पर वेदांता एल्यूमिनियम के फोकस के बारे में कंपनी के सीईओ जॉन स्लेवन ने कहा कि वेदांता एल्यूमिनियम में हम निरंतर ऐसे उत्कृष्टत एल्यूमिनियम उत्पाद प्रस्तुत करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं जो उच्चतम मापदंडों को पूरा कर सकें। ये बीआईएस प्रमाणन हमारे बेहतर क्वालिटी कंट्रोल और उन्नत उत्पादन तकनीकों को दर्शाते हैं। इन्हीं उत्पादों के बल पर हम विविध उद्योगों एवं वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं दे पाएंगे। हमारे पास ऐसे उत्पादों की विविधतापूर्ण रेंज है जिन्हें उद्योग के मानकों से भी आगे बढ़ जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित इमारतें, हाईटैक मैन्युफैक्चरिंग एवं सस्टेनेबल पैकेजिंग में अपरिमित अनुप्रयोगों के साथ एल्यूमिनियम लो-कार्बन धातु होने की वजह से भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय मानक ब्यूरो देश के उद्योगों के लिए गुणवत्ता मानकों को परिभाषित करने वाली शीर्ष संस्था है। यह ब्यूरो कड़े मूल्यांकन पद्धतियों पर अमल करने के बाद बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क जारी करता है। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों पर क्वालिटी की पहचान के तौर पर यह प्रतिष्ठित मोहर लगाई जाती है। ये प्रमाणन फिर दोहराते हैं कि वेदांता एल्यूमिनियम अपने उत्पादों को गुणवत्ता युक्त और विश्वसनीय बनाने के अपने वादे को निरंतर पूरा कर रही है।

वेदांता के एल्यूमिनियम उत्पाद लंदन मेटल ऐक्सचेंज में पंजीकृत हैं जो अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की निर्विवाद होने की पुष्टि करता है। कंपनी सक्रियता से बीआईएस प्रमाणन हासिल करने को प्रयासरत है ताकि भारतीय ग्राहकों में भरोसा जागे कि जो एल्यूमिनियम वे खरीद रहे हैं वह देश के सर्वोच्च गुणवत्ता मानक प्राधिकरण से प्रमाणित है। इसे हासिल करने के लिए वेदांता एल्यूमिनियम मेटल मैन्युफैक्चरिंग में दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों को अमल में लाती है, परिष्कृत प्रक्रियाओं का उपयोग, गहन अनुसंधान एवं विकास तथा उभरती तकनीकी स्टार्टअप व दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ काम करती है। यही कारण है कि आज यह कंपनी लगभग 60 देशों अपने ग्राहकों की पसंदीदा आपूर्तिकर्ता है।

वेदांता एल्यूमिनियम एल्यूमिनियम उत्पादों की सबसे विस्तृत रेंज का विनिर्माण करने वाली कंपनियों में से एक है। वेदांता एल्यूमिनियम के उत्पाद जैसे रिस्टोरा-लो कार्बन एल्यूमिनियम, बिलेट, वायर रॉड, अलॉय इनगॉट व कास्ट बार, एआईएसआई टी-इनगॉट, स्लैब व रोल्ड प्रोडक्ट विभिन्न उद्योगों में काम आते हैं जिनमें एयरोस्पेस से लेकर ऑटो मोबाइल, बिल्डिंग एवं कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिफिकेशन, इंजी नियरिंग, पैकेजिंग, कंज्यूमर गुड्स आदि शामिल हैं।

**कोरबा ( दिव्य आकाश )।** आषाढ़ में हसदेव सूखी थी, लेकिन सावन आते ही मानसून का असर दिखा और अचानक जल स्तर बढ़ने लगा।

# पीडीएस योजना में लापरवाही बर्दास्त नहीं- एसडीएम रूचि शारदुल

## पीडीएस योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

**पाली ( दिव्य आकाश )।**

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के संचालन में लापरवाही और खाद्यान्न की कमी को लेकर 01 अगस्त को पाली जनपद पंचायत सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पाली एसडीएम रुचि शारदुल ने दो टूक शब्दों में चेताया कि पीडीएस योजना के संचालन में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि पीडीएस सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना है। जो सस्ती कीमतों पर खाद्यान्नों के वितरण के माध्यम से कमी के प्रबंधन की प्रणाली के रूप में विकसित हुई है। पिछले कुछ वर्षों में पीडीएस देश में खाद्य अर्थव्यवस्था के प्रबंधन के लिए सरकार की नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। लेकिन इसमें भी गड़बड़ी, लापरवाही की शिकायतें सामने आ रही हैं, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिकायत सही पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही होगी। एसडीएम शारदुल ने कहा कि हितग्राहियों को निर्धारित समय सीमा में योजना के तहत खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित हो यह हमारी जवाबदेही है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली सरकार द्वारा प्रायोजित दुकानों की एक श्रृंखला है, जिसे समाज के जरूरतमंद वर्गों को बहुत सस्ते दामों पर बुनियादी खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं को वितरित करने का काम



सौंपा गया है। एसडीएम द्वारा पीडीएस दुकानों के उचित संचालन करने एवं हितग्राहियों को समय पर राशन उपलब्ध कराने सभी पी डी एस संचालन करने स्व सहायता समूह एवं विक्रेता गणों की आयोजित बैठक में उचित दिशा निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक मे जनपद सीईओ भूपेंद्र सोनवानी, तहसीलदार, खाद्य निरीक्षक पाली सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

# नूतन हायर सेकेंडरी स्कूल कनकी के शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष बने

**कोरबा/कनकी ( दिव्य आकाश )।**



प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरूण साव की अनुशंसा एवं निर्देश पर कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी कोरबा ने जिले के शासकीय स्कूलों में जनभागीदारी समिति एवं शाला प्रबंधन अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी है। इसी कड़ी में जिले के करतला ब्लाक अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनकी की शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष पद पर भाजपा नेता नूतन राजवाड़े का मनोनय किया है। श्री राजवाड़े को विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति का अध्यक्ष बनाए जाने पर ग्राम पंचायत कनकी के भाजपा नेताओं, शुभचिंतकों एवं अध्यापकों- विद्यार्थियों में हर्ष व्याप्त है।

## डॉ.बृजलाल कवाची नहीं रहे

कोरबा। कोसाबाड़ी चौक में संचालित गीता देवी मेमोरियल मल्टीसिटी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. बृजलाल कवाची नहीं रहे। बुधवार 07 अगस्त सुबह उन्होंने रायपुर में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और रायपुर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर मिलते ही परिजनों, शुभचिंतकों सहित कोरबा चिकित्सा जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। पूर्व में डॉ. बृजलाल कवाची बालाजी ट्रामा सेंटर कोरबा में अपनी सेवाएं दी थी, बाद में स्वयं का गीता देवी मेमोरियल मल्टी सिटी हॉस्पिटल प्रारंभ किया जहां वे सेवाएं दे रहे थे। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम कांकेर में किया गया।

दुकान किराये पर देना है

कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में सर्वसुविधायुक्त 2500 sqft फाल सिलिंग लगा हुआ शीघ्र ही किराए पर देना है।

हमसे संपर्क करें-
गोपाल राय सोनी
मो.: 79996 32557

कोरबा जिले में एकमात्र कल्पना फाउंडेशन की प्रेरणादायी पहल: वनांचल क्षेत्र में बच्चियों के भविष्य संवारने उठाया कदम

# छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल पाली में नि:शुल्क शिक्षा पाकर आदिवासी बच्चियों की बेहतर शिक्षा का मार्ग हुआ प्रशस्त

**पाली ( दिव्य आकाश )**

आजादी के 76 साल बाद भी आदिवासी वर्ग आखिर मुख्यधारा से क्यों जुड़ नहीं पाया? सुप्रीम कोर्ट को फिर से कोटा पर कोटा के मुद्दे में फैसला देना पड़ा। सत्ता की राजनीति ने इस वर्ग को पनपने ही नहीं दिया, जिसके कारण आज भी देश के वनांचल क्षेत्र में आदिवासी जहां हैं, वहीं खड़े नजर आ रहे हैं। शिक्षा की उजियाला आज तक इन क्षेत्रों में समुचित रूप से नहीं पहुंचा। राष्ट्रपति के दत्तकपुत्र आज भी वही जीवन जी रहे हैं। वनोपज और जंगल से जीवन यापन करने वाले आदिवासी का एक बड़ा वर्ग का आज भी जीवन स्तर नहीं सुधर पाया। बड़ा कारण इनकी शिक्षा पर ज्यादा फोकस सत्ता की राजनीति ने किया ही नहीं। आज भले ही राष्ट्रपति के पद पर एक आदिवासी महिला पहुंची हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि आदिवासी वर्ग का उत्थान संपूर्ण रूप से हो चुका है। आदिवासियों की शिक्षा पर आज भी बड़ा काम करने की जरूरत है।

आदिवासी बच्चियों द्वारा कई कारणों से पढ़ाई बीच में छोड़ दी जाती है। सरकारी अमला ऐसी बच्चियों तक पहुंचता ही नहीं और या तो इनकी कम उम्र में शादी कर दी जाती है, या फिर घर के काम में लगा दिया जाता है।

देश के लिए इस बड़ी चिंता को स्थानीय स्तर पर चिंतन करने वाले शिक्षाविद डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने अपने स्तर पर एक बड़ी पहल की और अपनी स्व. धर्मपत्नी के नाम पर कल्पना फाउंडेशन की स्थापना की और इसके बैनर तले अपने विद्यालय में नि:शुल्क बालिका शिक्षा प्रारंभ की। इस विद्यालय में 135 छात्राएं नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, जिसमें से 130 छात्राएं आदिवासी हैं। पूरे कोरबा जिले में छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल पाली ही एकमात्र विद्यालय है, जहां पर नर्सरी से 12 वीं तक सभी छात्राओं को इस साल नि:शुल्क प्रवेश दिया गया। यहां की छात्राओं का कहना है कि डायरेक्टर सर ने हमारे भविष्य को संवारने के लिए जो कदम उठाया है, वह अतुलनीय है। यह विद्यालय शिक्षा का एक ऐसा मंदिर है, जहां पर सिर्फ भविष्य गढ़ने की बात होती है।

## जब तक ग्रामीण बच्चियों की शिक्षा बेहतर नहीं होगी, विकसित भारत का संकल्प कैसे पूरा होगा-डॉ.तिवारी

## स्व. कल्पना तिवारी बनी प्रेरणा

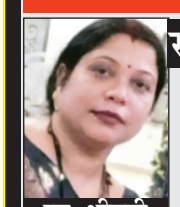



स्व. श्रीमती कल्पना तिवारी

विद्यालय के प्राचार्य एवं डायरेक्टर गजेन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प-2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहले भारत को शत प्रतिशत शिक्षित होना भी जरूरी है। शिक्षा के बिना भारत की आत्मा मायने गांव का संपूर्ण विकास भी संभव नहीं है। हमारी बेटियों को उच्च शिक्षा तक ले जाने के लिए सरकारी तंत्र के साथ निजी हाथों को भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना होगा। अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती कल्पना तिवारी से प्रेरणा लेकर डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने कल्पना फाउंडेशन के बैनरतले विद्यालय में छात्राओं के लिए नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की। उनका कहना है कि कल्पना हमेशा कहा करती थी कि बच्चियों को आगे बढ़ाओ-उच्च शिक्षा तक पढ़ाओ। श्रीमती तिवारी का 23 अप्रैल 2021 को निधन हो गया था, उसके बाद विद्यालय के प्राचार्य एवं डायरेक्टर डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने उनके सपनों को धरातल पर उतारने के लिए कल्पना फाउंडेशन की स्थापना की और फाउंडेशन के जरिये छात्राओं को बेहतर नि:शुल्क शिक्षा देने का बीड़ा उठाया। आज इस विद्यालय में 135 छात्राएं नि:शुल्क शिक्षाग्रहण कर अपने सपनों को पूरा करने में लगन के साथ पढ़ाई कर रही हैं।

### उत्कृष्ट से सर्वोत्कृष्ट करने पर फोकस

डॉ. गजेन्द्र तिवारी ने बताया कि पाली वनांचल क्षेत्र में आता है और यहां ग्रामीण बच्चों को उत्कृष्ट से सर्वोत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए हम शिक्षा-शैक्षणिकेत्तर गतिविधियों पर पूरा फोकस करते हैं, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

### छात्राओं को बेहतर माहौल मिला

विद्यालय की व्याख्याता कविता मरकाम ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों को बेहतर माहौल मिला है और पूरे क्षेत्र में इस विद्यालय जैसी पढ़ाई शायद ही कहीं मिलती होगी।

12 वीं की छात्रा नेहा ने बताया कि विद्यालय में सभी संसाधन डायरेक्टर सर ने मुहैय्या कराया है और हमारे शिक्षक बेहतर ढंग से पाठ्यक्रमों को पूरा कराने के साथ हमारी जिज्ञासाओं को भी शांत करते हैं। फ्रेंडली माहौल में यहां पढ़ाई में काफी मन लगता है।

नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहीं छात्राओं ने बताया कि डायरेक्टर सर द्वारा हमें आगे बढ़ाने के लिए नि:शुल्क बालिका शिक्षा की जो योजना चलायी है, उसके कारण ही हम आगे पढ़ पा रहे हैं। यह हमारे लिए बड़ी बात है।

# नवोदय विद्यालय के पांच छात्र राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए चयनित

**कोरबा ( दिव्य आकाश )।**

नवोदय विद्यालय कोरबा के पांच होनहार छात्रों का चयन आगामी माह में महाराष्ट्र के औरंगाबाद में होने वाले राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित छात्रों में 14 वर्षीय बालक वर्ग में आयुष्मान चौरसिया, 14 वर्षीय बालिका वर्ग राशि यादव, 17 वर्षीय बालिका वर्ग में तनुप्रिया कंवर तथा 19 वर्षीय बालक वर्ग में मयंक धुर्वे और बालिका वर्ग में नम्रता शामिल हैं। बच्चों के राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में चयन होने पर विद्यालय के प्राचार्य सहित स्टाफ और छात्र और छात्राओं में हर्ष व्याप्त है।

विद्यालय की प्राचार्या शांति मोहंती ने चयनित बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनके परिजनों शुभकामनाएं दी है। खेलकूद शिक्षिका अंजली चौरसिया को शुभकामना देते हुए कहा कि स्कूली बच्चों को खेल प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु तैयार करें। जिससे बच्चे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर एसजीएफआई में भी प्रतिभाग करे। विद्यालय के मीडिया प्रभारी शिक्षक संतोष कुमार ने बताया कि स्थानीय पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय समिति भोपाल द्वारा आयोजित रीजनल लेवल चयन प्रतियोगिता 05 और 06 अगस्त 2024 को पीएम श्री स्कूल जेएनवी झाबुआ 2 मध्यप्रदेश में आयोजित थी। प्रतियोगिता में नवोदय विद्यालय कोरबा के पांच होनहार छात्रों ने बेहतर खेल प्रदर्शन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु चयनित हुए।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं



नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

र्‍यूमीकैप (RHEUMICAP)

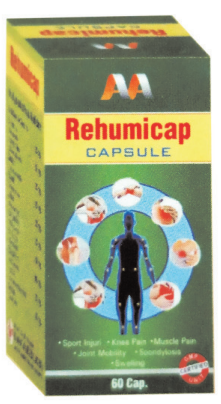




र्‍यूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‍यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।
Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

सीएसईबी चौक
दु.नं.-7 शिव हर्बल अल्का काम्प्लेक्स
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड
पॉवर हाउस रोड

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।
डॉ. वाय. भारद्वाज (एम.डी.) (एन.एम.)
पतंजलि श्रीश्री AYURVEDA बैद्यनाथ Dabur ZANDU
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता




एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945